इस अंक में ....

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
	अनुवाद	
1.	असम का सांस्कृतिक पर्यटन : अनुवाद और निर्वचन की वर्तमान स्थिति एवं समस्याएँ: उज्जवल डेका बरुआ	1-15
	अल्पसंख्यक विमर्श	
2.	मुंशी ज़का उल्लाह और डिप्टी नज़ीर अहमद के शैक्षिक कार्य: अब्दुल अहद	16-25
	इतिहास	
3.	अकबर की धार्मिक नीति: जुगनू आरा	26-31
	कला-विमर्श	
4.	मालवा लोक जीवन में राम की प्रासंगिकता: डॉ. अर्जुन सिंह पंवार	32-35
5.	भक्तिकालीन हिन्दी रंगमंच में परंपराशील नाट्य शैलियों का योगदान: दीपा	36-50
6.	बुजुर्गों का अकेलापन और हिन्दी सिनेमा: डॉ. आशा	51-55
	किन्नर-विमर्श	
7.	बदलती अर्थनीति और किन्नर समुदाय : परिवर्तन एवं प्रभाव- भावना चोटिया	56-62
	दलित एवं आदिवासी विमर्श	
8.	भारत में जाति समस्या: पूनम गुप्ता	63-67
9.	सुशीला टाकभौरे कृत "नीला आकाश" उपन्यास में दलित जीवन का परिपेक्ष्य- उषा यादव	68-72
10.	दलित शब्द का अर्थ: परिभाषा एवं अवधारणाएँ-डॉ. गोविंद कुमार	73-78
11.	दलित राजनीति का उभार और शिव मूर्ति का कथा साहित्य: कौशल कुमार पटेल	79-84
12.	दलित लोकजीवन का सौंदर्य प्रतीक 'मुर्दहिया': डॉ.राजेन्द्र परमार	85-91
	बाल -विमर्श	
13.	प्रेमचंद की बाल कहानियों में नैतिकता: वंदना	92-96
14.	आर्थिक मजबूती से बढ़ेगा हिन्दी का साम्राज्य: डॉ. अर्पण जैन 'अविचल'	97-99
15.	बहुभाषी शिक्षा: समता और सामाजिक न्याय की ओर एक कदम: करन	100-105
16.	करोना महामारी और बेरोज़गारी: आरती शर्मा	106-108
17.	आवां : विकलांगता और उसका प्रभाव- डॉ. संध्या कुमारी	109-113
	स्त्री- विमर्श	
18.	हीरादेवी चतुर्वेदी : 'रंगीन पर्दा' और स्त्रियाँ- आरती यादव	114-121
19.	स्त्री पाठ : दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता- दिनेश कुमार	122-129
	साहित्यिक-विमर्श	
20.	सामाजिक ताना-बाना और स्वर्गवासी- प्रशांत कुमार यादव	130-133
21.	समय के संदर्भ को दर्ज करता डायरी का गद्य	134-141

	(विशेष संदर्भ:मोहन राकेश की डायरी): डॉदीना नाथ मौर्य.	
22.	समकालीन हिंदी कविता का वर्तमान परिदृश्य: शुभम सिंह	142-148
23.	सत्ता, साम्प्रदायिकता और ध्रुवीकरण की राजनीति बनाम समकालीन हिंदी कविता- डॉ.गंगाधर चाटे	149-157
24.	'जारी है लड़ाई' बनाम मुकम्मल आवाज- बृजेश प्रसाद	158-162
25.	कविता का वर्तमान एवं औपनिवेशिकता: डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंघवी	163-168
26.	'दायरा और 'कांच' कहानी में सामाजिक और आर्थिक चेतना का द्वंद': ममता	169-178
27.	बीसवीं सदी के उत्तरार्ध से अब तक प्रकाशित नवगीत रचनाओं का अनुशीलन: अशोक कुमार मौर्य	179-186
28.	निर्मल वर्मा के चिन्तन में प्रकृति और पर्यावरण: डॉ. बीना जैन	187-196
29.	'नंगातलाई का गाँव' में ग्राम्य जीवन का चित्रण: सच्चिदानंद	197-204
30.	मुक्तिबोध की जीविका का संघर्ष: 'लेक्चररशिप के लिए मेरा जी अभी भी ललकता है।- रमेश कुमार राज	205-213
31.	गुरु नानक देव की समाज में जीवन मूल्य की शिक्षा: जगदाले अप्पासाहेब गोरक्ष	214-219
32.	'कसप' में अभिव्यक्त रोमान और यथार्थ: शिखा	220-225
33.	'कठगुलाब':एब्यूज्ड स्त्री चिंतन से आगे की कथा: डॉ.वीरेन्द्र प्रताप	226-232
34.	इक्कीसवीं सदी के हिन्दी उपन्यासों का सामाजिक परिदृश्य और भूमण्डलीकरण: जगदीश सिंह	233-237
35.	अपने वज़ूद को तलाशती स्त्री 'सुहाग के नूपुर'- डॉ शीला आर्या	238-249
36.	श्रीमती यशोदा देवी की कहानियों का वैशिष्ट्य: डॉ. रुचिरा ढींगरा	250-255
37.	'तीसरी कसम' में प्रयुक्त लोकगीत: डा. पवनेश ठकुराठी	256-258
38.	कृषि पद्धति का ऐतिहासिक विकास: डॉ सुशील कुमार	259-267
39.	'सांस्कृतिक व राष्ट्रीय चिन्तक - कवि कन्हैयालाल जी सेठिया': श्रीमति मंजू सारस्वत	268-273
40.	कलि कथा वाया बाइपास में भूमंडलीकरण का प्रभाव एवं प्रतिरोध: सुगता ए आर	274-278
41.	एक माँ के अस्तित्त्व की खोज : '1084वें की माँ '- डॉ.भानुबहन ए. वसावा	279-284
42.	हिन्दी यात्रा साहित्य में रामवृक्ष बेनीपुरी: करुणा सक्सेना	285-289
	प्रवासी साहित्य	
43.	तेजेन्द्र शर्मा की कहानी खिड़की के अंदर-बाहर झांकती वृद्ध मनोस्थिति- मधु मेहता साथी	290-292